शास्त्री तृतीय वर्ष-षष्ठ सत्रार्द्ध

स्वतंत्रोत्तर भारत (1947 ई. – 2000 ई.)

Course Outcomes

पाठ्यक्रम के अंत में छात्रों से निम्नलिखित परिणामों की अपेक्षा की जाती है-

CO1: स्वतंत्रोत्तर भारत की राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था पर औपनिवेशिक शासन के प्रभावों के बारे में जानेंगे।

CO2: भारतीय संविधान के प्रमुख विशेषताओं व संस्थाओं से परिचित होंगे।

CO3: स्वतंत्रोत्तर भारत में राजनीतिक दलों और विभिन्न विचारधाराओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO4: समकालीन विश्व में भारत की भूमिका विषयक समझ विकसित होगी।

GE -6 स्वतंत्रोत्तर भारत (1947 ई. – 2000 ई.)

खण्ड	खण्डनाम	इकाई	इकाई परिचय	कालांश		क्रेडिट-4	अंक
				लेक्चर	ट्यूटोरियल		
1	उपनिवेशवाद और राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव	I	राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर उपनिवेशवाद का प्रभाव	14	2	1	25
		II	स्वतंत्रोत्तर भारत में राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव: मूल्य एवं विरासत				
		III	भारत विभाजन का प्रभावः विस्थापित जनों का संघर्ष (पंजाब और बंगाल)				
		IV	रियासतों का एकीकरणः हैदराबाद, जूनागढ़ और जम्मू-				

			कश्मीर				
2	भारतीय संविधान और राष्ट्र-राज्य के रूप में सुदृढ़ीकरण	I	'शाश्वत राष्ट्र' के रूप में भारत, आधुनिक राष्ट्रीय राज्य और भारतीय संविधान का निर्माण, संविधान सभा, प्रारूप समिति की रिपोर्ट, भारतीय संविधान की घोषणा, बी. आर. अम्बेडकर की भूमिका, भारतीय संविधानमूलक विशेषताएँ एवं संस्थाएँ	14	2	1	25
		II	राज्यों का पुनर्गठन				
		III	संसदीय लोकतंत्र का उद्भव एवं विकास				
3	स्वतंत्रोत्तर भारत में राजनीति समाज और अर्थव्यवस्था	I	स्वतंत्रोत्तर भारत में राजनीतिक दल और विचारधाराएँ (निर्वाचन, आपातकाल, राजनीतिक-सांस्कृतिक आंदोलन)	14	2	1	25
		II	अर्थव्यवस्था-औद्योगीकरण, उदारीकरण और भूमण्डलीकरण				
		III	राष्ट्रीय राज्य और सामाजिक आंदोलन				
		IV	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास				
4	भारत और विश्व	I	स्वतंत्रोत्तर भारतः विदेश नीति,	14	2	1	25

			चुनौतियाँ और सफलताएँ				
		II	आतंकवादः कारण और प्रभाव				
		III	समकालीन विश्व में भारत				
				64		4	100

Suggested Readings:

(1) Basu, D.D.: Shorter Constitution of India

(2) Bettleheim: Charles, India Independent

(3) Balbushevik, A. & Dyakov, A.M.:A Contemporary History of India

(4) Bipin Chandra Pal : स्वतंत्र भारत

(5) D.R. Gadgil: Policy Making in India

(6) Desai, A.R.: भारत का विकास मार्ग

(7) Gaur, Madan, India: 40 Years after Independence

(8) Guha, Ranjit (ed.), Subaltern Studies, Vol. I-XI

(9) Hinsely, F.H. (ed.), Modern History: Material Progress and World Wide Problems

(10) Jaisingh, Hari, India and Non-Aligned World: Search for A New Order

(11) Kothari, Rajni: Democratic Policy and Socialist Change in India

(12) Majumdar, Datta and Ray Chowdhary: Advanced History of India

(13) Palmer, R.A. and Cotton Joel, A History of Modern World

(14) Patel, Vallabhbhai, Correspondence, Writings and Speeches

(15) Rao, U. Bhaskar, The Story of Rehabilitation

(16) Satyamurti, T.V., India Since Independence

(17) Shukla, R.L. (ed.): आधुनिक भारत का इतिहास

(18) Srinivas, M.N.:Social Change in Modern India

(19) सतीश चन्द्र मित्तलः भटकाव के सरसठ वर्ष, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

(20) V.P. Menon: The Story of Integration of the Indian States

(21) Ram Manohar Lohiya: Guilty men of India's Partition, Rupa pub., Delhi, 2008

(22) Bala, Saroj: स्वतंत्र भारत का इतिहास, Omega Pub.Delhi,2011

(23) Raghuvansha Narayan Singh: स्वतंत्र भारत की राजनीति पर आंदोलनों का प्रभाव(1945-2017 ई. तक), अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली,2018

(24) Vajpeyee, J.N.: आधुनिक भारत का इतिहास

(25) Yadav, Rajbir: भारत की विदेश नीति